वल्लयिप्पन उलगनाथन चदिंबरम पल्लिई

प्रलिम्सि के लयि:

स्वतंत्रता आंदोलन, स्वदेशी आंदोलन, बाल गंगाधर तलिक, लाला लाजपत राय।

मेन्स के लयि:

वी. ओ. चदिंबरम पल्लिई।

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री ने **5 सतिंबर, 2022** को महान स्वतंत्रता सेनानी **वी.ओ.चदिंबरम पल्लिई** को उनकी **151वीं जयंती** पर श्रद्धांजलि अर्पति की।

- वह एक लोकप्रयि **कप्पलोटयिा थमज़िान (तमलि खेवनहार) और "चेक्कलिुथथा चेम्मल"** के रूप में जाने जाते थे।

चदिंबरम पल्लिई:

- **जन्म:** वल्लयिप्पन उलगनाथन चदिंबरम पल्लिई (चदिंबरम पल्लिई) **का जन्म 5 सतिंबर, 1872** को **तमलिनाडु के तरिुनेलवेली ज़लि के ओट्टापडिारम्** में एक प्रख्यात वकील उलगनाथन पल्लिई और परमी अम्माई के घर हुआ था।
- **प्रारंभकि जीवन:** चदिंबरम पल्लिई ने **कैलडवेल कॉलेज, तूतीकोरनि से स्नातक** कयिा। अपनी कानून की पढ़ाई शुरू करने से पहले उन्होंने एक संक्षप्ति अवधि के लयि **तालुका कार्यालय में क्लर्क** के रूप में कार्य कयिा।
  - वर्ष 1900 में **न्यायाधीश के साथ उनके ववािद ने उन्हें तूतीकोरनि** में नए काम की तलाश करने के लयि बाध्य कयिा।
  - **वर्ष 1905 तक वे पेशेवर और पत्रकारतिा** गतविधियिों में संलग्न रहे।
- **राजनीति में प्रवेश:**
  - चदिंबरम पल्लिई ने 1905 में **बंगाल के वभिाजन** के बाद राजनीति में प्रवेश कयिा।
    - वर्ष 1905 के अंत में चदिंबरम पल्लिई ने मद्रास का दौरा कयिा और **बाल गंगाधर तलिक** तथा **लाला लाजपत राय** द्वारा शुरू कयि गए **स्वदेशी आंदोलन** से जुड़े।
    - चदिंबरम पल्लिई **रामकृष्ण मशिन** की ओर आकर्षति हुए और सुब्रमण्यम भारती तथा मांडयम परविार के संपर्क में आए।
  - तूतीकोरनि (वर्तमान थूथुकुडी) में चदिंबरम पल्लिई के आने तक तरिुनेलवेली ज़लि में स्वदेशी आंदोलन ने गति प्राप्त करना शुरू नहीं कयिा

था।

- **स्वतंत्रता आंदोलन में भूमिका:**
  - 1906 तक चिदंबरम पिल्लई ने स्वदेशी स्टीम नेविगेशन कंपनी (SSNCO) के नाम से एक स्वदेशी मर्चेंट शिपिंग संगठन स्थापित करने के लिये तूतीकोरिन और तिरुनेलवेली में व्यापारियों एवं उद्योगपतियों का समर्थन हासिल किया।
    - उन्होंने स्वदेशी प्रचार सभा, धर्मसंग नेसावु सलाई, राष्ट्रीय गोदाम, मद्रास एग्रो-इंडस्ट्रियल सोसाइटी लिमिटेड और देसभीमना संगम जैसी कई संस्थाओं की स्थापना की।
  - चिदंबरम पिल्लई और शिवा को उनके प्रयासों हेतु तिरुनेलवेली स्थित कई वकीलों द्वारा सहायता प्रदान की गई, जिन्होंने स्वदेशी संगम या 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक' नामक एक संगठन का गठन किया।
  - तूतीकोरिन कोरल मिल्स की हड़ताल (1908) की शुरुआत के साथ राष्ट्रवादी आंदोलन ने एक द्वितीयक चरित्र प्राप्त कर लिया।
  - गांधीजी के **चंपारण सत्याग्रह** (1917) से पहले भी चिदंबरम पिल्लई ने तमिलनाडु में मज़दूर वर्ग का मुद्दा उठाया था और इस तरह वह इस संबंध में गांधीजी के अग्रदूत रहे।
  - चिदंबरम पिल्लई ने अन्य नेताओं के साथ मिलकर 9 मार्च, 1908 की सुबह बिपिन चंद्र पाल की जेल से रिहाई का जश्न मनाने और स्वराज का झंडा फहराने के लिये एक विशाल जुलूस निकालने का संकल्प लिया।
- **कृतियाँ:** मेयाराम (1914), मेयारिवु (1915), एंथोलॉजी (1915), आत्मकथा (1946), थिरुक्कुरल के मनक्कुदावर के साहित्यिक नोट्स के साथ (1917)), टोल्कप्पियम के इलमपुरनार के साहित्यिक नोट्स के साथ (1928)।
- **मृत्यु:** चिदंबरम पिल्लई की मृत्यु 18 नवंबर, 1936 को भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस कार्यालय तूतीकोरिन में हुई।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/v-o-chidambaram-pillai-1